मॉडल प्रश्न पत्र

सत्र-2024-25

कक्षा-10

विषय-हिन्दी

समय- 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक- 70**

निर्देश-

(I) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(II) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

(III) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।

(IV) खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।

(V) ओ०एम०आर० शीट पर उत्तर अंकित किये जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर(Eraser) एवं व्हाइटनर (Whitener) आदि का प्रयोग न करें।

(VI) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न</u> **<u>खण्ड-अ</u>** **पूर्णांक-20**

प्रश्न-1 'बाबू गुलाब राय' किस युग के लेखक हैं- 01

A. भारतेन्दु युग B. द्विवेदी युग
C. शुक्ल युग D. शुक्लोत्तर युग

प्रश्न-2 'चिन्तामणि' किस विधा की रचना है- 01

A. निबन्ध B. कविता
C. नाटक D. कहानी

प्रश्न-3 'गबन' किसकी रचना है- 01

A. मुंशी प्रेमचन्द B. जयशंकर प्रसाद
C. निराला D. हरिकृष्ण प्रेमी

प्रश्न-4 'शुक्ल युग' की समयावधि है- 01

A. 1936-1943 तक B. 1919-1938 तक
C. 1900-1918 तक D. उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न-5 'नीड़ का निर्माण फिर' किस विधा की रचना है- 01

A. जीवनी B. आत्मकथा
C. साक्षात्कार/भेंटवार्ता D. रेखाचित्र

प्रश्न-6 'प्रिय प्रवास' किस युग की रचना है- 01

A. द्विवेदी युग B. भारतेन्दु युग
C. प्रगतिवादी युग D. छायावादी युग

प्रश्न-7 'मधुशाला' किसकी रचना है- 01

A. रामधारी सिंह दिनकर B. हरिऔध
C. हरिवंशराय बच्चन D. सुमित्रानन्दन पंत

प्रश्न-8 'भारत-भारती' किसकी रचना है- 01

A. सियारामशरण गुप्त B. मैथिलीशरण गुप्त
C. जयशंकर प्रसाद D. महादेवी वर्मा

प्रश्न-9 आधुनिक काल कब से कब तक है- 01

A. सन् 1843 से अब तक B. 1643 ई0 से 1843 तक

C. सन् 1918-1936 तक D. 1936 से 1943 तक

प्रश्न-10 'मतिराम' किस युग के कवि है- 01

A. आधुनिक काल B. आदिकाल

C. भक्तिकाल D. रीतिकाल

प्रश्न-11 हास्य रस का स्थायी भाव है- 01

A. शोक B. रति

C. हास D. निर्वेद

प्रश्न-12 सोहत ओढ़े पीत पट श्याम सलोने गात। 01

मनो नील मणि शैल पर आतप पर्‍यो प्रकाश।

उपरोक्त पंक्तियों में कौन सा अलंकार है-

A. उपमा अलंकार B. उत्प्रेक्षा अलंकार

C. रूपक अलंकार D. श्लेष अलंकार

प्रश्न-13 रोला छंद में कुल कितने चरण होते हैं- 01

A. तीन B. दो

C. चार D. पाँच

प्रश्न-14 'आकर्षण' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग किया गया है- 01

A. 'वि' B. मान

C. अक D. आ

प्रश्न-15 रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद है- 01

A. दो B. पाँच

C. छः D. तीन

प्रश्न-16 'पीताम्बर' में कौन सा समास है- 01

A. कर्मधारय B. द्वन्द्व

C. बहुव्रीहि D. तत्पुरुष

प्रश्न-17 आंसू का तत्सम रूप है- 01

A. अश्रु B. अंशु

C. रोना D. आंख

प्रश्न-18 'कर्तृवाच्य' में किसकी प्रधानता होती है- 01

A. 'कर्ता' की प्रधानता B. 'कर्म' की प्रधानता

C. 'भाव' की प्रधानता D. इनमें से कोई नही

प्रश्न-19 'ताभ्यः' शब्द में वचन एवं विभक्ति है- 01

A. षष्ठी विभक्ति एकवचन B. सप्तमी विभक्ति द्विवचन

C. षष्ठी विभक्ति बहुवचन D. चतुर्थी विभक्ति बहुवचन

प्रश्न-20 निम्नलिखित में 'सर्वनाम' है 01

A. मनुष्य B. बचपन

C. वह D. इनमें से कोई नही

<u>वर्णनात्मक प्रश्न (खण्ड-ब)</u> **पूर्णांक-50**

प्रश्न-1 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए- 3×2=06

<u>यह कोई बात नहीं है कि एक स्वभाव और रूचि के लोगों में ही मित्रता हो सकती है। समाज में विभिन्नता देखकर लोग एक दूसरे की ओर आकर्षित होते हैं।</u> जो गुण हममे नहीं है, हम चाहते हैं कि कोई ऐसा मित्र मिले, जिसमें वे गुण हों। चिन्ताशील मनुष्य प्रफुल्लित चित्त का साथ ढूढ़ता है, निर्बल बली का, धीर उत्साही का। उच्च आकांक्षा वाला चन्द्रगुप्त युक्ति और उपाय के लिये चाणक्य का मुँह ताकता था। नीति विशारद अकबर मन बहलाने के लिए बीरबल की ओर देखता था।

(I) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए?

(II) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(III) लेखक के अनुसार समाज में विभिन्नता देखकर लोग एक दूसरे की ओर क्यों आकर्षित होते हैं?

अथवा

"हे भगवान! तब के लिए! विपद् के लिए! इतना आयोजन! <u>परमपिता की इच्छा के विरूद्ध इतना साहस! पिताजी, क्या भीख न मिलेगी? क्या कोई हिन्दू भू-पृष्ठ पर न बचा रह जाएगा!</u> जो ब्राह्मण को दो मुट्ठी अन्न दे सके? यह असम्भव है! फेर दीजिए पिताजी मैं काँप रही हूँ इसकी चमक आँखों को अंधा बना रही है।"

(I) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए?

(II) गद्यांश की रेखांकित अंश का भाव स्पष्ट कीजिए।

(III) ममता द्वारा किस कार्य को ईश्वर की इच्छा के विरूद्ध बताया गया है?

प्रश्न-2 दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए- 3×2=06

चरण-कमल बंदौ हरि राइ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघो
अंधे को सब कुछ दरसाइ।
<u>बहिरौ सुनै गूंग पुनि बोले।</u>
<u>रंक चले सिर छत्र धराइ।</u>
सूरदास स्वामी करूणामय,
बार-बार बंदौ तिहिं पाई।

(I) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(II) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(III) उपर्युक्त पंक्तियों में कौन सा अलंकार है?

अथवा

सुनि सुन्दर वैन सुधारस साने
सयानी है जानकी जानी भली।
तिरछे करि नैन तिन्है
समुझाइ कछु मुसकाइ चली।
तुलसी तेहि अवसर सेहिं रावै
अवलोकति लोचन लाहु अली।
<u>अनुराग तड़ाग में भानु उदै</u>
<u>विगसी मनु मंजुल कंज कली।</u>

(I) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(II) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(III) 'अनुराग तड़ाग' तथा 'मनु मंजुल कंज कली' में कौन-कौन सा अलंकार है?

प्रश्न-3 दिए गए संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+3=05

एषा नगरी भारतीयसंस्कृतेः संस्कृत भाषायाश्च केन्द्रस्थलम् अस्ति। इत एवं संस्कृत वाङ्मपस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः। मुगलयुवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीयः दर्शन शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत। सतेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत् यत तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसी भाषायां कारितः।

अथवा

मानव-जीवनस्य संस्करणं संस्कृतिः। अस्माकं पूर्वजाः मानवजीवन संस्कृर्तुं महान्तं प्रयत्नम् अर्कुवन। तो अस्माकं जीवनस्य संस्करणाय यान आचारान् विचारान् च अदर्शयन् तत् सर्वम् अस्माकं संस्कृतिः।

प्रश्न-4 दिए गए संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+3=05

"मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न शोचति।
कामं हित्वार्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत्।"

अथवा

सर्वे भवन्तु सुखिनःसर्वे संतु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद दुखभाग भवेत्।।

प्रश्न-5 अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिएः 3×1=03

(क) (i) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग 'लक्ष्मी' का सारांश लिखिए।
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर दौलत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्रांकन कीजिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का कथानक लिखिए।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'संकल्प' सर्ग का सारांश लिखिए।
(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आजाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के द्यूत-सभा में 'द्रौपदी' सर्ग का सारांश लिखिए।
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'आगमन' सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'राम-मिलाप और सौमित्र का उपचार' सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।

प्रश्न-6(क) दिये गये लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय लिखते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 3+2=05

(I) डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद
(II) जयशंकर प्रसाद
(III) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

प्रश्न-6(ख) दिये गये कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए अपनी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 3+2=05

(I) गोस्वामी तुलसीदास
(II) सुमित्रानन्दन पंत
(III) महाकवि सूरदास

प्रश्न-7 अपनी पाठ्य-पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। 2×1=02

प्रश्न-8 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए। 1+1=02

(I) भारतीय संस्कृते मूलं किम् अस्ति?
(II) पुरुराज कः आसीत्?
(III) चन्द्रशेखर कः आसीत्?
(IV) वीरः केन पूज्यते?

प्रश्न-9 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। 7×1=07

(I) पर्यावरण संरक्षण के उपाय।
(II) आतंकवाद : कारण एवं निवारण।
(III) जनसंख्या : लाभ हानि।
(IV) नारी सशक्तिकरण।

प्रश्न-10 अपनी विशेष रूचियों का उल्लेख करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए। 2+2=04

अथवा

उत्तर मध्य रेलवे को एक शिकायती पत्र लिखिए जिसमें टिकट निरीक्षक द्वारा किए गये अभद्र व्यवहार का उल्लेख हो।